दिनांक 30-08-2024 को जल जीवन मिशन के कार्यों की जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न समीक्षा बैठक की कार्यवृत्त

दिनांक 30-08-2024 को जल जीवन मिशन फेज-2, फेज-3 व फेज-5 से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में की गई। जिसमें निम्न अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे-

1. मुख्य विकास अधिकारी, सिद्धार्थनगर।
2. श्री अपर जिलाधिकरी, सिद्धार्थनगर।
3. श्री संजय कुमार जायसवाल, अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
4. श्री उमेश चौधरी, सहायक अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
5. श्री राम बचन चौधरी, PM, मेघा इंजी0 एण्ड इंन्फ्रा0लि0, सिद्धार्थनगर।
6. श्री सुरेश चौधरी, PM, (जे0वी0), सिद्धार्थनगर।
7. श्री अश्वनी मिश्रा, जैक्शन विश्वराज (जे0वी0), सिद्धार्थनगर।
8. श्री चंद्रशेखर, प्रोजेक्ट मैनेजर, टी0पी0आई0, सिद्धार्थनगर।

जल जीवन मिशन के कार्यों हेतु तैनात कार्यदायी फर्मों की समीक्षा निम्नानुसार किया गया।

1. <u>कार्यदायी फर्म (मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० लि०, हैदराबाद)</u>

- ❖ जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत मेघा इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लि, हैदराबाद को फेज-2 के अन्तर्गत कुल 459 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते हुए 176 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना था। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 176 योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।
- ❖ अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को सभी 176 परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्ध करा दिया गया है तथा फर्म द्वारा इन सभी पर ट्यूबवेल ड्रिलिंग का कार्य भी कर लिया गया है। अपितु फर्म द्वारा कतिपय कार्यस्थलों पर बीच-बीच में कार्य बंद किए जाने पर, पुनः भूमि विवाद उत्पन्न हो जा रहा है। जिसके निस्तारण हेतु तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है।
- ❖ अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 02 दिसम्बर 2022 थी तथा समयवृद्धि के उपरांत 30 जून 2024 निर्धारित है। परंतु फर्म द्वारा द्वितीय समयवृद्धि दिनांक 30.12.2024 तक के लिए आवेदन किया गया है, जो कि निर्णय हेतु अधिशासी अभियंता द्वारा अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को प्रेषित है।

Scanned with OKEN Scanner

- कम्पोनेंट-वार प्रगति समीक्षा में पाया गया कि पम्प हाउस एवं ओवरहेड टैंक की प्रगति अत्यंत कम है। 212 स्वीकृत पम्प हाउस के सापेक्ष 135 पूर्ण हैं । इसी प्रकार 185 स्वीकृत ओवरहेड टैंक के सापेक्ष अभी तक 32 का कार्य पूर्ण है, परंतु मात्र 15 टैंक से जलापूर्ति की जा रही है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म द्वारा प्रतिदिन औसत 300 मैनपावर लगाया गया है। जबकि 185 परियोजनाओं के ओवरहेड टैंक पर समानांतर कार्य करने हेतु न्यूनतम 900 मैनपावर लगाया जाना आवश्यक है।

  अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को विगत डेढ़ वर्ष पूर्व से ही प्री-कास्ट ओवर हेड टैंक निर्माण हेतु निर्देशित किया जाता रहा है। परंतु अभी तक दो परियोजना (इमिलिया पेयजल योजना, वि०ख०-बढ़नी एवं भडेहर ग्रांट, वि०ख०-नौगढ़) पर प्री-कास्ट ओवर हेड टैंक निर्माण कार्य किया गया है, इस पर परियोजना प्रबंधक, मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० द्वारा बताया गया कि फर्म द्वारा 109 परियोजनाओं पर जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलंब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।
- अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० पर कुल 6 प्रतिशत Liquidated damages की पेनल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि फर्म को आवंटित कुल 459 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष अभी तक 245 राजस्व ग्रामों में सड़कों का शत प्रतिशत मरम्मत कार्य पूर्ण है, जिसका टी०पी०आई० द्वारा सत्यापन कराकर पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। शेष ग्रामों में मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से IGRS / JJM Grievance Portal पर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। फर्म को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों के सापेक्ष तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करें तथा इस हेतु प्रत्येक विकास खण्ड हेतु अलग-अलग मोबाईल टीम बनाएं।
- कार्यदायी फर्म मेघा के PM द्वारा पूर्व बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया था कि अगले 15 दिवस के अन्दर 5 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 20 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी परन्तु फर्म मेघा द्वारा मात्र 2 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया एवं 8 योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है। जिस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष

Scanned with OKEN Scanner

व्यक्त किया गया एवं अगली बैठक होने से पूर्व फर्म को निर्देशित किया गया है कि आप 7 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर एवं 15 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें।

❖ परियोजनाओं की कम्पोनन्ट-वार प्रगति निम्नानुसार है-

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Unstarted	Completed	Work in progress	Unstarted
1	TUBEWELL	Nos.	212	210	2	0	99.05	0.95	0.00
2	PUMP HOUSE	Nos.	212	135	77	0	63.67	36.33	0
3	PIPELINE	KM	1628	1610	0	18	98.89	0	1.11
4	OVERHEAD TANK	Nos.	185	32	152	1	17.30	82.16	0.54
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	78131	77877	-	254	99.67	-	0.33
A	Direct water supply	Schemes	176	94			53.41%		
B	100 % commissioning	Schemes	176	15			8.52%		
5	Road Reinstatement	KM	Total Dismantling qty- 1711	Total Reinstatement Done- 1439 Km			Progress- **84.10 %**		

❖ कार्यादायी फर्म- मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा०, हैदराबाद की अत्यंत धीमी प्रगति एवं पर्याप्त मैनपावर नहीं होने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के ए0जी0एम0 को निर्देशित किया गया कि उचित मैनपावर बढ़ाते हुए समयानान्तर्गत पेयजल योजनाओं के समस्त कार्य पूर्ण करायें ।

Scanned with OKEN Scanner

2. <u>कार्यदायी फर्म (वी.एस.ए-एस.सी.एल, हैदराबाद)</u>

❖ जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत वी.एस.ए-एस.सी.एल, हैदराबाद को फेज-3 के अन्तर्गत कुल 525 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते हुए 163 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना था। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 160 योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।

❖ अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को सभी 160 परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्ध करा दिया गया है तथा फर्म द्वारा इन सभी पर ट्यूबवेल ड्रिलिंग का कार्य भी कर लिया गया है। अपितु फर्म द्वारा कतिपय कार्यस्थलों पर बीच-बीच में कार्य बंद किए जाने पर, पुनः भूमि विवाद उत्पन्न हो जा रहा है। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि शेष परियोजनाओं पर भूमि विवाद अथवा अनुपलब्धता के कारण कार्य अनारंभ है। भूमि विवाद निस्तारण हेतु नियमित तौर पर संबंधित तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है।

❖ कम्पोनेंट-वार प्रगति समीक्षा में पाया गया कि पम्प हाउस एवं ओवरहेड टैंक की प्रगति अत्यंत कम हैं। 184 स्वीकृत पम्प हाउस के सापेक्ष 143 पूर्ण हैं । इसी प्रकार 163 स्वीकृत ओवरहेड टैंक के सापेक्ष अभी तक 19 का कार्य पूर्ण है, परंतु मात्र 5 टैंक से जलापूर्ति की जा रही है।

❖ अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म द्वारा प्रतिदिन औसत 200 मैनपावर लगाया गया है। जबकि 163 परियोजनाओं के ओवरहेड टैंक पर समानांतर कार्य करने हेतु न्यूनतम 1100 मैनपावर लगाया जाना आवश्यक है।

फर्म को 49 परियोजनाओं पर जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलंब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।

❖ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० पर कुल 4 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।

❖ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि फर्म को आवंटित कुल 525 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष अभी तक 275 राजस्व ग्रामों में सड़कों का शत प्रतिशत मरम्मत कार्य पूर्ण है, जिसका टी०पी०आई० द्वारा सत्यापन कराकर पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। शेष ग्रामों में मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से IGRS / JJM Grievance Portal

Scanned with OKEN Scanner

पर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। फर्म को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों के सापेक्ष तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करें तथा इस हेतु प्रत्येक विकास खण्ड हेतु अलग-अलग मोबाईल टीम बनाएं।

- कार्यदायी फर्म वी.एस.ए-एस.सी.एल के PM द्वारा पूर्व बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया था कि अगले 15 दिवस के अन्दर 5 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 6 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी परन्तु फर्म वी.एस.ए-एस.सी.एल द्वारा मात्र 3 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया एवं 3 योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है। जिस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया एवं अगली बैठक होने से पूर्व फर्म को निर्देशित किया गया है कि आप 5 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर एवं 10 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें।

- परियोजनाओं की कम्पोनन्ट-वार प्रगति निम्नानुसार है-

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Unstarted	Completed	Work in progress	Unstarted
1	TUBEWELL	Nos.	184	181	0	3	98.37	0	1.63
2	PUMP HOUSE	Nos.	184	143	38	3	77.72	20.65	1.63
3	PIPELINE	KM	1620	1619	0	1	99.94	0	0.06
4	OVERHEAD TANK	Nos.	163	19	136	8	11.66	83.44	4.90
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	71541	68660	-	254	95.97	-	4.03
A	Direct water supply	Schemes	163	44			26.99%		
B	100 % commissioning	Schemes	163	5			3.06%		
5	Road Reinstatement	KM	Total Dismantling qty- 1327	Total Reinstatement Done- 1096 Km			Progress- 82.59 %		

- कार्यादायी फर्म- मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा०, हैदराबाद की अत्यंत धीमी प्रगति एवं पर्याप्त मैनपावर नहीं होने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के

Scanned with OKEN Scanner

ए0जी0एम0 को निर्देशित किया गया कि उचित मैनपावर बढ़ाते हुए समयानान्तर्गत पेयजल योजनाओं के समस्त कार्य पूर्ण करायें ।

3. <u>कार्यदायी फर्म (जैक्सन-विश्वराज जे०वी०, नई दिल्ली)</u>

- ❖ जल जीवन मिशन फेज-5 के अन्तर्गत चयनित फर्म जैक्शन- विश्वराज (ज्वाइंट वेन्चर), नई दिल्ली को कुल 1083 राजस्व ग्राम आवंटित है, जिसके सापेक्ष 1083 राजस्व ग्रामों को सम्मिलत करते हुए 423 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना है।
- ❖ 423 परियोजनाओं मे कुल 445 ट्यूबवेल का कार्य स्वीकृत है। जिसके सापेक्ष 433 ट्यूबवेल का कार्य कर लिया गया है। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि शेष परियोजनाओं पर भूमि विवाद अथवा अनुपलब्धता के कारण कार्य अनारंभ है। भूमि विवाद निस्तारण हेतु नियमित तौर पर संबंधित तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है। निर्देशित किया गया कि भूमि प्रकरणों के निस्तारण के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा अगली बैठक में भूमि संबंधी विवाद निस्तारण का आश्वासन दिया गया ।
- ❖ परियोजनाओं की कम्पोनन्ट-वार प्रगति निम्नानुसार है-

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Unstarted	Completed	Work in progress	Unstarted
1	TUBEWELL	Nos.	445	433	0	12	97.30	0	2.70
2	PUMP HOUSE	Nos.	445	277	125	43	62.25	28.09	9.66
3	PIPELINE	KM	4465	4051	0	414	90.73	0	9.27
4	OVERHEAD TANK	Nos.	424	6	405	13	1.42	95.52	3.07
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	158346	118070	-	40276	74.56	-	25.44
A	Direct water supply	Schemes	424	2			0.05%		
B	100 % commissioning	Schemes	424	63			14.86%		
5	Road Reinstatement	KM		Total Dismantling qty- 2534		Total Reinstatement Done- 1782 Km	Progress- 70.32 %		

Scanned with OKEN Scanner

❖ अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 25 अक्टूबर 2024 है। फर्म के परियोजना प्रबंधक द्वारा बताया गया कि समस्त परियोजनाएं दिसम्बर 2024 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि अभी तक इनके द्वारा अनुबंध के समयवृद्धि हेतु आवेदन नहीं किया गया है तथा दिसम्बर 2024 तक कार्य पूर्ण करने हेतु फर्म को सभी कम्पोनेन्ट पर समानांतर कार्य करने तथा संसाधन बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

❖ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि फर्म को आवंटित कुल 1083 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष अभी तक 333 राजस्व ग्रामों में सड़कों का शत प्रतिशत मरम्मत कार्य पूर्ण है, जिसका टी०पी०आई० द्वारा सत्यापन कराकर पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। शेष ग्रामों में मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से IGRS / JJM Grievance Portal पर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

❖ कार्यदायी फर्म जैक्शन- विश्वराज के PM द्वारा पूर्व बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया था कि अगले 15 दिवस के अन्दर 7 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 4 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी परन्तु फर्म जैक्शन- विश्वराज द्वारा कोई प्रगति नही किया गया, जिस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया एवं अगली बैठक होने से पूर्व फर्म को निर्देशित किया गया है कि आप 4 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर एवं 4 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें।

❖ फर्म द्वारा 65 परियोजनाओं पर डायरेक्ट ट्यूबवेल से जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलंब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।

❖ कार्यदायी फर्म जैक्शन-विश्वराज के पी0एम0 द्वारा बताया गया कि 14 परियोजनाओं पर भूमि विवाद के कारण कार्य शुरू नही हो पाया, की बात कही गई। जिसपर अधोहस्ताक्षरी महोदय द्वारा अगली बैठक में निराकरण कराने के लिए आश्वासन दिया

Scanned with OKEN Scanner

गया। 40 नग पम्प हाऊस पर LOW LAND के कारण कार्य प्रारम्भ नही किया जा सका। जिसकी रि-डिजाइनिंग की प्रक्रिया प्रोसेस में है शीघ्र ही प्रक्रिया पूर्ण होने पर कार्य पारम्भ करा दिया जायेगा ।

- अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त कार्य निर्धारित समयान्तर्गत मानक के अनुरूप पूर्ण कर लिया जाय एवं काटी गयी सड़कों का ससमय पुनरुथपन कर दिया जाय और अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया है कि अपने से सम्बन्धित सहायक अभियन्ता एवं जूनियर इंजीनियर को निर्देशित कर मानक के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की सिथिलता क्षम्य नही है।

(डा0 राजागणपति आर0)
जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर।

कार्यालय जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर।

पत्रांक- 1156 / 5071-15/ 1156 *दिनांक-* 8-10-2024

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु ।

1. मंडलायुक्त, बस्ती मण्डल को सादर अवलोकनार्थ ।
2. मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर।
3. अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
4. पी०एम०, मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० लि० ।
5. पी०एम०, वी0एस0ए0 एस0सी0एल0 (जे0वी0) ।
6. पी०एम०, जैक्सन-विश्वराज (जे०वी०)।
7. डी०पी०एम०, थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन एजेंसी, जल जीवन मिशन, सिद्धार्थनगर।

जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर।

Scanned with OKEN Scanner